दफ़्तर जो परिवार का ध्यान रखें

भास्कर राजा

जयलक्ष्मी भास्कर

मेरा मानना है कि काम और जीवन में संतुलन के लिहाज से युवाओं के लिए नौकरी के क्षेत्र में प्रवेश के लिए इससे बेहतर समय और नहीं रहा है। सिकंदर महान से कृषि और औद्योगिक क्रांति तक, काम की दुनिया निरंतर बदलती रही है। लेकिन अब उन लाभों के प्रति समझ बढ़ती जा रही है जो कामकाज के दायरे के बाहर व्यक्ति की परिपूर्ण ज़िंदगी से समाज को मिलते हैं।

हमारी आधुनिक अर्थव्यवस्था में, जहां परिवार को पालने के लिए अक्सर दो कमाने वालों की ज़रूरत होती है, अमेरिकी महिलाएं वेतनभोगी कामगारों की कुल संख्या का 46 प्रतिशत तक हैं। वास्तव में जून 2005 में जारी एक अध्ययन से पता लगा कि आमदनी का स्तर बनाए रखने के लिए माता-पिता को ज़्यादा घंटे काम करना पड़ता है। ऐसे परिवार जहां माता-पिता दोनों कमा रहे हैं, उन्हें सिर्फ अपना जीवन स्तर कायम रखने के लिए 1979 की तुलना में काम पर 16 प्रतिशत ज़्यादा समय या 500 घंटे ज्यादा बिताने पड़े। महिलाएं और माताएं अब कार्य स्थलों पर कायम रहने वाली हैं, लेकिन सार्वजनिक नीति और काम की जगहों का ढांचा अभी उनके हिसाब से नहीं बना है।

लेकिन परिवार के मददगार ऐसे नियोक्ता के साथ काम करने की कल्पना करें, जो आपको वेतन सहित छुट्टियां देता है, पर्याप्त अवकाश देता है, बच्चों की देखभाल का कार्यक्रम उपलब्ध कराता है और आपके काम का समय तय करने में आपकी बात सुनता है। क्या आपके मन में फॉरच्यून 500 का विशाल कार्पोरेशन या कोई प्रगतिशील आईटी कंपनी की छवि उभरती है? दोबारा सोचें।

अमेरिका की सबसे बड़ी नियोक्ता अमेरिकी सरकार काम की जगह में इस तरह की नई चीजें कर रही है। और मेरे नियोक्ता अमेरिकी विदेश विभाग ने पार्टनरशिप फॉर पब्लिक सर्विस और अमेरिकन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ पब्लिक पॉलिसी इंप्लीमेंटेशन के काम की सबसे अच्छी जगहों की रैंकिंग के सर्वे में 30 बड़ी संघीय एजेंसियों में छठा और महिलाओं में पहला स्थान हासिल किया है। विदेश विभाग निजी क्षेत्र को शामिल करने के बाद निकलने वाले कुल नतीजों में भी काफी ऊपर स्थान पर है। मानव संसाधन की जिस तरह की नीतियां विदेश विभाग में हैं, वे परिवारों का ज़्यादा मददगार समाज तैयार करती हैं, जो काम और परिवार की मांगों के बीच फंसे माता-पिता की सहायता करता है। हमारी एजेंसी प्रभावी कामगार चाहती है, इसलिए काम की जगह लचीलापन अपवाद नहीं, एक नियम है। नतीजा यह है कि हम ऐसी नौकरी में काम कर सकते हैं, जो हमारी मानसिक शांति और जीवन स्तर में मदद करती है।

अमेरिकी दूतावास या यहां उसके कॉन्सुलेट में काम करने वाले भारतीयों को भी काम-जीवन संतुलन की इन नीतियों का लाभ मिलता है, जो बीमारी के लिए छुट्टी, बीमार रिश्तेदारों की देखभाल, निधन, अवकाश, गर्भावस्था, वार्षिक छुट्टियों, छुट्टियों के बंटवारे और लचीले काम के समय का ध्यान रखती हैं।

यहां कुछ उदाहरण हैं।

परिवार की मददगार अवकाश नीतियां: अमेरिकी अपने परिवार और प्रियजनों के साथ ज़्यादा समय गुजारना चाहते हैं। संघीय सरकार भी चाहती है कि उसके कर्मचारी ऐसा करें। 1993 का फ़ेडरल फ़ेमिली एंड मेडिकल लीव एक्ट कामकाजी परिवारों के लिए महत्वपूर्ण प्रगति थी, क्योंकि इसने काफी कर्मचारियों को परिवार के बीमार सदस्य अथवा नए बच्चे की देखभाल के लिए 12 सप्ताह तक की छुट्टी लेने का अधिकार दिया। पिता और माता छह सप्ताह तक का वेतन सहित पितृत्व या मातृत्व अवकाश ले सकते हैं।

आराम का समय: संघीय सकार की अवकाश, वार्षिक छुट्टियों और बीमारी की छुट्टियों के लिए उदार नीति है। विदेश में काम करने वाले अमेरिकी अधिकारियों को वार्षिक और बीमारी की छुट्टियों के अलावा 'होम लीव' लेने का भी अधिकार है। जब हम कठिन स्थानों पर काम करते हैं तो विश्राम भी मिलता है।

शिबानी भास्कर

काम का लचीला खाका: अमेरिकी सरकार काम का लचीला कार्यक्रम पेश करने में पथ प्रदर्शक है।

टेलिकम्युटिंग: इससे कर्मचारियों को दफ़्तर से दूर स्वीकृत जगह या घर से काम करने का मौका मिलता है। संघीय कर्मचारियों को इसके लिए न सिर्फ प्रोत्साहित किया जाता है बल्कि उनसे इसके लिए कहा जाता है। नियमों के अनुसार सभी संघीय कर्मचारियों पर टेलिकम्युटिंग की नीतियां लागू होनी चाहिए बशर्ते इसके लिए प्रबंधन ने मंजूरी दी हो। अमेरिकी सरकार टेलिकम्युटिंग प्रोग्राम को और आगे बढ़ाने का आश्वासन दे रही है, जिससे एजेंसियों और कर्मचारियों को अपने काम की व्यवस्था करने और कर्मचारियों को अपने काम और निजी ज़िम्मेदारियों में संतुलन बनाने में मदद मिले। इससे काम पर आने के लिए यात्रा करने पर लगने वाला समय भी बचता है और परिवार, दोस्तों, शिक्षा और अन्य रुचियों के लिए ज़्यादा समय मिलता है।

बच्चों की देखभाल का कार्यक्रम: 200 से ज़्यादा संघीय एजेंसियां अपने कर्मचारियों के लिए काम की जगह पर बच्चों की देखभाल के केंद्रों को प्रायोजित करती हैं।

मेरा गृह राज्य, टेक्सस एक ऐसी राज्य सरकार का बढ़िया उदाहरण है, जो एक आदर्श नियोक्ता है। टेक्सस के कानून टेक्सस के उन उद्योगों को मां का मददगार नामांकित करते हैं, जिनकी स्वैच्छिक लिखित नीतियां कामगार मां की इन तरीकों से मदद करती है:

- वे दूध पिलाने के लिए समय निकालने के लिए काम का लचीला कार्यक्रम अपनाते हैं,
- प्राइवेसी के लिए जगह उपलब्ध कराते हैं,
- हाथ धोने और किसी भी ब्रेस्ट पंपिंग उपकरण को धोने के लिए पास में पानी का कोई स्रोत और सिंक उपलब्ध कराते हैं,

मां को उसका दूध स्टोर करने के लिए स्वच्छ स्टोरेज विकल्प मुहैया कराते हैं।

टेक्सस का कानून एक मां के काम और उसके बच्चे के प्रति ज़िम्मेदारी को मान्यता देता है। वह मानता है कि एक महिला की अपने बच्चे को अपना दूध पिलाने की पसंद परिवार, नियोक्ता और समाज के लिए लाभदायक है और मां तथा बच्चे के स्वास्थ्य और परिवार के मूल्यों के हित में इसे बढ़ावा देना चाहिए।

अमेरिकी विदेश विभाग की परिवार के लिहाज से मददगार नीतियों के कारण कोलकाता में अमेरिका के असिस्टेंट पब्लिक अफ़ेयर्स ऑफ़िसर भास्कर राजा अपनी नौकरी और पारिवारिक समय के बीच संतुलन रख पाते हैं।

ऊपर: फ़रवरी 2007 में राजा क्रिकेट चैलेंज प्रतियोगता में जीत पर अपनी बेटियों के साथ खुशी जताते हुए। कोलकाता स्थित अमेरिकी कान्सुलेट और ब्रिटिश उच्चायोग के बीच मैच में राजा अमेरिकी टीम के कप्तान थे और उनकी बेटियां मीना (बाएं) और शिबानी (दाएं) टीम की सदस्य थीं। विजयश्री (बीच में) उनका हौसला बढ़ा रही थी।

बाएं: अपनी पत्नी जयलक्ष्मी के जन्मदिन पर राजा और जयलक्ष्मी अक्टूबर 2006 में एक रेस्तरां में ।

कृपया इस लेख के बारे में अपने विचारों से हमें अवगत कराएं। अपनी राय editorspan@state.gov पर भेजें।